हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

Date: 28.05.2024

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में चौथा दीक्षांत समारोह

सभ्य समाज के लिए महिलाओं का आदर जरूरी : राज्यपाल

दीक्षांत समारोह में 744 विद्यार्थियों को डिग्री तथा 21 विद्यार्थियों को प्रदान किए गए स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। दीक्षांत समारोह में बच्चों को डिग्री देते महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय।

जींद। दीक्षांत समारोह की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ करते हुए महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय। फोटो हरिभूमि

जींद। महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को उनका चित्र भेंट करते हुए वीसी डा. रणपाल। फोटो हरिभूमि

हरियाणा के महामहिम रा'यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि भारत का युवा बहुत ही ऊर्जावान है। पूरे विश्व की निगाहें भारत की युवा पीढ़ी पर लगी हैं। यहां का युवा दुनिया के अन्य देशों की जरूरत बन रहा है। युवाओं में नवाचार के साथ-साथ हर पल कुछ नया सीखने की भावना का होना जरूरी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे केवल महज अपने तक रोजगार पाने की न सोचकर अन्य को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करें।

हरियाणा के महामहिम रा'यपाल बंडारू दत्तात्रेय सोमवार को चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित चौथे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में सवोच्च न्यायालय के न्यायाधीश डा. सूर्यकांत भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। समारोह में 744 विद्यार्थियों को डिग्री तथा 21 विद्यार्थियों को प्रदान किए गए स्वर्ण पदक दिए गए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ अत्याचार करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। सभ्य समाज के निर्माण के लिए महिलाओं का आदर करना बहुत जरूरी है। महामहिम रा'यपाल और न्यायधीश ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्र'जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने समारोह में शिक्षा के क्षेत्र के उल्लेखनीय योगदान देने वाले डीएवी शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष पूनम सूरी को पीएचडी की मानद उपाधि से नवाजा। रा'यपाल ने डिग्री लेने व स्वर्ण पदक हासिल करने वालों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और उनके उ'जवल भविष्य की कामना की। महामहिम रा'यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए, कहा कि वे जहां भी जाएं, अपने अभिभावकों, समाज व राष्ट्र के साथ-साथ अपने विश्वविद्यालय को कभी न भूलें, जहां से उन्होंने शिक्षा-दीक्षा ली है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में हमेशा नई तकनीक सीख कर आगे बढ़ने, नवाचार और नया शोध करने की भावना का होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि निपुणता जितनी बढ़ेगी, उतने ही रोजगार के अवसर अधिक मिलेंगे।

गुणवत्तायुक्त शिक्षा राष्ट्र निर्माण की कुंजी : न्यायाधीश डा. सूर्यकांत

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश डा. सूर्यकांत ने सबसे पहले विश्वविद्यालय प्रशासन और डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों व शोधार्थियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी होती है। शिक्षा नैतिक मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। इसी से ही आने वाली पीढ़ी समय और समाज के प्रति समर्पित बनेगी। उन्होंने कहा कि देश की उन्नति के लिए पूर्ण संसाधनों का होना जरूरी है। जिनमें इंसान के अंदर दक्षता, निपुणता और कुशलता मुख्य रूप से शामिल है। न्यायाधीश ने कहा कि देश को समृद्धशाली बनाने के लिए निरंतर प्रगति जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थी जीवन की यादें ताजा कर साझा की और कहा कि भले ही उस समय संसाधनों का अभाव था लेकिन उनमें सीखने की प्रबल भावना थी। ग्रामीण परिवेश से शिक्षा लेकर वे जिस मुकाम तक पहुंचे हैं, उसमें उनके शिक्षकों का अहम योगदान है। जिनकी दुआएं अब भी उनके साथ रहती हैं। शिक्षकों ने हमेशा उनको नई दिशा दी और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने दीक्षांत समारोह में मौजूद विद्यार्थियों से भी आह्वान किया कि वे नए आइडिया के साथ आगे बढ़ें। मेहनत करने वाले सभी बाधाओं को पार कर जाते हैं। उन्होंने दो पंक्तियों के साथ विद्यार्थियों से कड़ी मेहनत करने का आह्वान करते हुए कहा कि कौन बताता है समंदर का रास्ता नदी को, जिसे मंजिल का जुनून है वे कभी मशविरा नहीं लेते। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के वीसी कर्नल डा. रणपाल सिंह ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की कुरुसचिव डा. ललतीन सिंह ने सभी का आभार प्रकट किया। दीक्षांत समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। दीक्षांत समारोह में एडीसी डा. हरीश वशिष्ठ, डीन प्रो. एसके सिन्हा, प्रो. संजय सिन्हा, एसोसिएट प्रो. सुनील फौगाट, परीक्षा नियंत्रक डा. निहाल सिंह यादव, डीन डा. विशाल वर्मा, डा. जसबीर सिंह सूरा और एसोसिएट प्रो. कुलदीप नारा सहित विश्वविद्यालय प्रशासन के सभी प्रोफेसर व एसोसिएट प्रोफेसर मौजूद रहे।

पंजाब केसरी

Date: 28.05.2024

सभ्य समाज के निर्माण के लिए महिलाओं का आदर करना बहुत जरूरी : राज्यपाल

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह को महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. सूर्यकांत ने किया संबोधित

दीप प्रज्वलित करते राज्यपाल।

कार्यक्रम को संबोधित करते न्यायाधीश डॉ. सूर्यकांत।

जींद, 27 मई (संजीव नैन) : हरियाणा के महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा है कि भारत का युवा बहुत ही ऊर्जावान है। पूरे विश्व की निगाहें भारत की युवा पीढ़ी पर लगी हैं। यहां का युवा दुनिया के अन्य देशों की जरूरत बन रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं में नवाचार के साथ-साथ हर पल कुछ नया सीखने की भावना का होना जरूरी है।

उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे केवल महज अपने तक रोजगार पाने की न सोचकर अन्य को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करें। इसके साथ ही अपने अंदर समाज और राष्ट्र सेवा की भावना रखकर देश को दुनिया का सुपर पावर देश बनाएं। उन्होंने समाज से महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने व पूरा सम्मान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ अत्याचार करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। सभ्य समाज के निर्माण के लिए महिलाओं का आदर करना बहुत जरूरी है।

महामहिम राज्यपाल दत्तात्रेय सोमवार को स्थानीय चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित चतुर्थ दीक्षांत समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. सूर्यकांत भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। महामहिम राज्यपाल दत्तात्रेय और न्यायाधीश डॉ. सूर्यकांत ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

राज्यपाल दत्तात्रेय ने दीक्षांत समारोह में 2021 से 2023 तक के 744 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की, जिनमें 509 छात्राएं शामिल थीं। विभिन्न विषयों के 21 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए, जिनमें 18 छात्राएं शामिल रहीं। उन्होंने समारोह में शिक्षा के क्षेत्र के उल्लेखनीय योगदान देने वाले डी.ए.वी. शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष पूनम सूरी को पीएच.डी. की मानद उपाधि से नवाजा। राज्यपाल ने डिग्री लेने व स्वर्ण पदक हासिल करने वालों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे जहां भी जाएं, अपने अभिभावकों, समाज व राष्ट्र के साथ-साथ अपने विश्वविद्यालय को कभी न भूलें, जहां से उन्होंने शिक्षा-दीक्षा ली है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में हमेशा नई तकनीक सीखकर आगे बढ़ने, नवाचार और नया शोध करने की भावना का होना जरूरी है। निपुणता जितनी बढ़ेगी, उतने ही रोजगार के अवसर अधिक मिलेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं में समाज के प्रति समर्पण की भावना होनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि जीवन में पैसा सर्वोपरि नहीं मानना चाहिए, बल्कि जीवन में मूल्यों का होना जरूरी है।

जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी इंसान ने धन को खो दिया समझो कुछ नहीं खोया, यदि स्वास्थ्य खोया है तो समझो कुछ नुकसान हुआ है और यदि चरित्र को खोया है तो समझो सब कुछ खो दिया है। उन्होंने युवाओं से स्वामी विवेकानंद द्वारा बताए गए इस मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

- **युवाओं में नवाचार के साथ-साथ हर पल कुछ नया सीखने की भावना का होना जरूरी : दत्तात्रेय**
- **दीक्षांत समारोह में 744 विद्यार्थियों को की डिग्री प्रदान, 21 विद्यार्थियों को प्रदान किए स्वर्ण पदक**

विद्यार्थियों को डिग्री देते न्यायाधीश डॉ. सूर्यकांत और राज्यपाल।

कार्यक्रम में मौजूद अन्य अतिथि।

उन्होंने कहा कि चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने बहुत ही कम समय में शिक्षा व खेलों के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं। विश्वविद्यालय युवाओं को शिक्षित करने के साथ-साथ उनमें चरित्र निर्माण का भी कार्य कर रहा है, जो सबसे जरूरी है। यह विश्वविद्यालय हरियाणा को शिक्षित, साक्षर, समर्थ व सम्पन्न बनाने में सहभागी बनेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने वाला यह प्रदेश का दूसरा विश्वविद्यालय है। आज हम विकसित भारत, विकसित हरियाणा बनाने की जो कल्पना कर रहे हैं, उसे बनाने में इस विश्वविद्यालय से निकले विद्यार्थियों का बड़ा योगदान होगा। उन्होंने कहा कि स्वर्ण पदक हासिल करने वालों में 18 लड़कियों का होना अपने-आप में गर्व की बात है। लड़कियों ने हर उच्च मुकाम को हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने देश को अनेक होनहार रत्न दिए हैं, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी शामिल हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए नए कोर्सों पर विश्वविद्यालय प्रशासन की प्रशंसा की।

राज्यपाल ने कहा कि आज का युग इंफॉर्मेशन एंड टैक्नोलॉजी का युग है। आर्टीफिशियल इंटैलीजैंस, मशीन लर्निंग जैसी नूतन टैक्नोलॉजी ने विश्व का परिदृश्य बदल दिया है। अपने-अपने विषय में नवीनतम टैक्नोलॉजी से जुड़कर क्रिएटिव इन्नोवेशन तथा स्टार्टअप्स सृजित करने के लिए आपको कमर कसनी होगी। यदि आप चूक गए तो पीछे रह जाएंगे। मंथन करें कि कैसे विषय के ज्ञान से आधुनिक तकनीक को आप कल्याणकारी रूप में परिवर्तित कर सकते हैं।

जिन्हें मंजिल का जुनून है वे कभी मशविरा नहीं लेते : न्यायाधीश डॉ. सूर्यकांत

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. सूर्यकांत ने सबसे पहले विश्वविद्यालय प्रशासन और डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों व शोधार्थियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी होती है। शिक्षा नैतिक मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। इसी से ही आने वाली पीढ़ी सभ्य और समाज के प्रति समर्पित बनेगी। उन्होंने कहा कि देश की उन्नति के लिए पूर्ण संसाधनों का होना जरूरी है, जिनमें इंसान के अंदर दक्षता, निपुणता और कुशलता मुख्य रूप से शामिल है। न्यायाधीश ने कहा कि देश को समृद्धशाली बनाने के लिए निरंतर प्रगति जरूरी है। न्यायाधीश डॉ. सूर्यकांत ने अपने विद्यार्थी जीवन की यादें ताजा कर सांझा की। भले ही उस समय संसाधनों का अभाव था, लेकिन उनमें सीखने की प्रबल भावना थी। ग्रामीण परिवेश से शिक्षा लेकर वे जिस मुकाम तक पहुंचे हैं, उसमें उनके शिक्षकों का अहम योगदान है, जिनकी दुआएं अब भी उनके साथ रहती हैं। शिक्षकों ने हमेशा उनको नई दिशा दी और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने दीक्षांत समारोह में मौजूद विद्यार्थियों का भी आह्वान किया कि वे नए आइडिया के साथ आगे बढ़ें। मेहनत करने वाले सभी बाधाओं को पार कर जाते हैं। उन्होंने दो पंक्तियों के साथ विद्यार्थियों से कड़ी मेहनत करने का आह्वान करते हुए कहा कि कौन बताता है समंदर का रास्ता नदी को- जिसे मंजिल का जुनून है वे कभी मशविरा नहीं लेते।

कार्यक्रम दौरान विश्वविद्यालय के वी.सी. कर्नल डॉ. रणपाल सिंह ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. लवलीन सिंह ने सभी का आभार प्रकट किया। दीक्षांत समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। दीक्षांत समारोह में ए.डी.सी. डॉ. हरीश वशिष्ट, डीन प्रो. एस.के. सिन्हा, प्रो. संजय सिन्हा, एसोसिएट प्रो. सुनील फौगाट, परीक्षा नियंत्रक डॉ. निहाल सिंह चाहर, डीन डॉ. विशाल वर्मा, डॉ. जसबीर सिंह सूरा और एसोसिएट प्रो. कुलदीप नारा सहित विश्वविद्यालय प्रशासन के सभी प्रोफैसर व एसोसिएट प्रोफैसर मौजूद रहे।

दैनिक जागरण

Date: 28.05.2024

भारत की युवा पीढ़ी पर टिकी हैं विश्व की निगाहें : राज्यपाल

सीआरएसयू के दीक्षांत समारोह की राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने की अध्यक्षता, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत रहे मुख्यातिथि, 744 को दी डिग्री

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में सोमवार को चतुर्थ दीक्षांत समारोह हुआ। राज्यपाल एवं चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय की अध्यक्षता में हुए दीक्षांत समारोह में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश डा. सूर्यकांत मुख्यातिथि और डीएवी कालेज प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष पूनम सूरी विशिष्ट अतिथि रहे।

दीक्षांत समारोह में सत्र 2021 से 2023 तक के 744 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई, जिनमें 509 छात्राएं शामिल थी। विभिन्न विषयों के 21 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए, जिनमें 18 छात्राएं शामिल रही। शिक्षा के क्षेत्र के उल्लेखनीय योगदान देने वाले डीएवी शिक्षण संस्थाओं के अध्यक्ष पूनम सूरी को पीएचडी की मानद उपाधि से विभूषित किया गया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का युवा बहुत ही ऊर्जावान है। पूरे विश्व की निगाहें भारत की युवा पीढ़ी पर लगी हैं। यहां का युवा दुनिया के अन्य देशों की जरूरत बन रहा है। युवाओं में नवाचार के साथ-साथ हर पल कुछ नया सीखने की भावना का होना जरूरी है। युवा केवल अपने तक रोजगार पाने की न सोचकर अन्य को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करें। अपने अंदर समाज और राष्ट्र सेवा की भावना रखकर देश को दुनिया का सुपरपावर देश बनाएं। समाज से महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने व पूरा सम्मान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने बहुत ही कम समय में शिक्षा व खेलों के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं। विश्वविद्यालय युवाओं को शिक्षित करने के साथ-साथ उनमें चरित्र निर्माण का भी कार्य कर रहा है, जो सबसे जरूरी है। यह विश्वविद्यालय हरियाणा को शिक्षित, साक्षर, समर्थ व संपन्न बनाने में सहभागी बनेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने वाला यह प्रदेश का दूसरा विश्वविद्यालय है।

आज हम विकसित भारत, विकसित हरियाणा बनाने की जो कल्पना कर रहे है, उसे बनाने में इस विश्वविद्यालय से निकले विद्यार्थियों का बड़ा योगदान होगा। स्वर्ण पदक हासिल करने वालों में 18 लड़कियों का होना अपने-आप में गर्व की बात है। कार्यक्रम के दौरान वीसी कर्नल डा. रणपाल सिंह ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वीसी कर्नल डा. रणपाल सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में 26 विभाग कार्यशील हैं। पिछले दो वर्षों में 10 नए विभाग व 28 कोर्स शुरू किए हैं। इस साल 10 नए डिग्री और डिप्लोमा कोर्स शुरू करने जा रहे हैं। रजिस्ट्रार डा. लवलीन सिंह ने सभी का आभार प्रकट किया। दीक्षांत समारोह में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी की वीसी प्रो. दीप्ति धीरमानी, हरियाणा साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डा. धर्मदेव विद्यार्थी भी दीक्षांत समारोह में उपस्थित रहे। इस अवसर पर एडीसी डा. हरीश वशिष्ठ, डीन प्रो. एसके सिन्हा, एसोसिएट प्रो. सुनील फौगाट, परीक्षा नियंत्रक डा. निहाल सिंह चाहर, डीन डा. विशाल वर्मा, डा. जसबीर सिंह सूरा, एसोसिएट प्रो. कुलदीप नारा, अनुपम भाटिया सहित विवि के सभी प्रोफेसर व एसोसिएट प्रोफेसर उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, न्यायाधीश सूर्याकांत और वीसी डा. रणपाल सिंह। • सौ. विवि

नए आइडिया के साथ आगे बढ़े विद्यार्थी : डा. सूर्याकांत

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश डा. सूर्यकांत ने डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों व शोधार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी होती है। शिक्षा नैतिक मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। इसी से ही आने वाली पीढ़ी सभ्य और समाज के प्रति समर्पित बनेगी। देश की उन्नति के लिए पूर्ण संसाधनों का होना जरूरी है, जिनमें इंसान के अंदर दक्षता, निपुणता और कुशलता मुख्य रूप से शामिल है। डा. सूर्यकांत ने अपने विद्यार्थी जीवन की यादें ताजा करते हुए कहा कि भले ही उस समय संसाधनों का अभाव था। लेकिन उनमें सीखने की प्रबल भावना थी। विद्यार्थी नए आइडिया के साथ आगे बढ़े। ग्रामीण परिवेश से शिक्षा लेकर वे जिस मुकाम तक पहुंचे हैं, उसमें उनके शिक्षकों का अहम योगदान है, जिनकी दुआएं अब भी उनके साथ रहती है। उन्होंने दो पंक्तियों के साथ विद्यार्थियों से कड़ी मेहनत करने का आह्वान करते हुए कहा कि कौन बताता है समंदर का रास्ता नदी को- जिसे मंजिल का जुनून है, वे कभी मशविरा नहीं लेते।

दीक्षांत समारोह में उपस्थित विद्यार्थी। • सौ. विवि

एमए अंग्रेजी में प्रथम रही अंजली शर्मा सम्मानित

गांव हथो की बेटी अंजली शर्मा को सम्मानित करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय।

संवाद सूत्र, जागरण • नरवाना : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में गांव हथो की बेटी एवं एसडी महिला कालेज नरवाना की छात्रा अंजली शर्मा द्वारा एमए अंग्रेजी में विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने डिग्री व स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया। अंजली ने एमए इंगलिश में 76.35 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया था।

दैनिक भास्कर
ई-पेपर

Date: 28.05.2024

सीआरएसयू में दीक्षांत समारोह • 744 विद्यार्थियों को मिली डिग्री, 21 को गोल्ड मेडल से नवाजा, जीवन में कुछ करने को किया प्रेरित

किसी के भरोसे पर मत चलिए, कौशल विकसित करें: राज्यपाल
एक आइडिया तय कीजिए, उसे जिंदगी बना लीजिए: न्यायाधीश

• कुलाधिपति ने कहा- विद्यार्थी नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि देने वाले बनें, अपनी स्किल बढ़ाने पर दें ध्यान

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएस यूनिवर्सिटी के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति राज्यपाल ने जहां विद्यार्थियों से नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि देने वाले बनने के लिए प्रेरित किया वहीं मुख्य अतिथि पहुंचे सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति डॉ. सूर्यकांत ने बढ़ने के टिप्स दिए। दोनों ने युवाओं को समाज के लिए कुछ करने, सपने देखने और उसके लिए मेहनत करने के लिए कहा। 744 विद्यार्थियों को डिग्री देकर और 21 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से नवाजा गया। इसमें बेटियों ने बाजी मारी। गोल्ड मेडल पाने वाले में 16 लड़कियां। डॉ. सूर्यकांत ने स्वामी विवेकानंद के कथन को दोहराते हुए कहा कि एक आइडिया को निर्धारित कीजिए और उसे अपनी जिंदगी बना लीजिए उसके बारे में सोचिए, उसके बारे में स्वप्न दीजिए और उस आइडिया को जीएं और वो आइडिया आपके रोम रोम में बस जाए। यही सफलता का मंत्र हैं। वीसी डा. रणपाल सिंह ने दोनों मेहमानों के जीवन पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को इनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार प्रो. लवलीन मोहन, सीबीएलयू भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धीरमानी, हरियाणा साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. धर्मदेव विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए एक मात्र कुंजी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा: डॉ. सूर्यकांत

जींद. सीआरएसयू में आयोजित दीक्षांत समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए मुख्यातिथि।

21 गोल्ड मेडल में 16 बेटियों को मिला

जींद | सोमवार में 2021 से 2023 के 744 विद्यार्थियों को डिग्री और 21 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से नवाजा गया। सात शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। 744 विद्यार्थियों में से 509 छात्राएं और 235 छात्र शामिल रहे। पीएचडी की उपाधि में चार महिला शोधार्थी और तीन पुरुष शोधार्थी शामिल थे। समारोह में 21 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल दिया गया। राज्यपाल व सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश डॉ. सूर्यकांत, डीएवी कॉलेज प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष पूनम सूरी, सीआरएसयू कुलपति कर्नल डॉ. रणपाल सिंह, रजिस्ट्रार प्रो. लवलीन मोहन ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशेष अतिथि पूनम सूरी को पीएचडी की मानद उपाधि दी गई।

दो साल में दस नए विभाग व 28 नए कोर्स किए शुरू

कुलपति कर्नल डॉ. रणपाल सिंह ने कहा कि आज विश्वविद्यालय में 26 विभाग कार्यशील हैं। पिछले दो वर्षों में उन्होंने दस नए विभाग व 28 कोर्सेज शुरू किए हैं। उन्होंने कहा कि दो साल पहले विद्यार्थियों की संख्या लगभग 1500 थी जो अब लगभग चार हजार तक पहुंच चुकी है और नए सत्र में लगभग छह हजार हो जाएगी। यहां की दो महिला खिलाड़ियों ने 19 वें एशिया खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें से एक खिलाड़ी हरियाणा के भीम अवॉर्ड और भारत के अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित है। 29 खिलाड़ियों ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम में भाग लिया और तीसरा स्थान हासिल किया।

सलाह: गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देना हर शिक्षण संस्थान की जिम्मेदारी

पढ़ाई के दिनों को याद करते हुए न्यायाधीश डॉ. सूर्यकांत ने कहा कि जैसे मैं यहां आया तो लगा कि घर आ गया हूं। मैं बचपन और कॉलेज के दिन याद करके बहुत उदास हुआ। मेरा गांव यहां से लगभग 40 किमी दूर है। बचपन से जींद में रहे हैं। यहां से बहुत यादें जुड़ी है। 1960-70 के दौरान जब मैं विद्यार्थी था तो इतना मजबूत इतनी सुविधाएं नहीं थी लेकिन हरियाणा ने काफी उन्नति की है। हमें गर्व है और ये विकास प्रतिबिंब हैं। यूनिवर्सिटी पीछे नहीं हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी प्रशासन से कहा कि आपको याद रखना होगा राष्ट्र की उन्नति के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एकमात्र कुंजी है। यह है शैक्षणिक संस्थान की जिम्मेदारी हैं। युवाओं पर देश का भविष्य टिका है। इसरूप में इन्हें विकसित करें कि समाज के लिए कार्य करने की क्षमता रखें। उन्होंने कहा कि एक दिन पहले एख कार्यक्रम में एक सवाल मेरे सामने आया कि भारत की 55 प्रतिशत आबादी 55 साल से नीचे की है। मतलब भारत सबसे ज्यादा युवा शक्तिशाली राष्ट्र है जो लोग जनसंख्या बढ़ती को देखकर शर्मिंदा महसूस करते हैं ,उन्हें बताना चाहता हूं कि आज हम मानव संसाधन के मामले में विश्व में अग्रणी स्थान पर हैं।

शोध के मुताबिक 2030 तक भारत में तीन करोड़ नौकरियां आएंगी

राज्यपाल ने कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में बेटों से आगे बढ़ रही हैं। सीआरएसयू में 21 गोल्ड मेडल में से 16 बेटियों को मिले हैं। आप आज शिक्षा के साथ कौशल शिक्षा पर भी जोर दें। भारत में कार्य करने वाले लोग तो हैं पर स्किल की कमी है जब मैं भारत सरकार में लेबर मंत्री था तब जापान का स्किल अनुपात 89 प्रतिशत, जर्मनी का 91 प्रतिशत , साउथ कोरिया का 93 प्रतिशत था और भारत का 3.4 प्रतिशत आज भारत का कौशल शिक्षा में प्रतिशत काफी बढ़ा है। आज शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक, मशीन लर्निंग जैसे नए कोर्सेज आ रहे हैं। हमें सीखने चाहिए। उन्होंने कहा की हमारी युवा पीढ़ी प्रतिभाशाली है जो भारत को विकसित भारत व सुपर पॉवर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एक शोध के अनुसार भारत में लगभग 2030 तक 3 करोड़ नौकरी आने वाली है हमारे कुछ विद्यार्थियों में से विद्यार्थी दूसरे देशों में नौकरी करने जाएंगे।

प्रेरणा: गरीब परिवार से था, मां ने प्रेरित किया, पढ़ा और राह बनाई

कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि माता पिता को चिंता रहती है हमारा बच्चा क्या करेगा, कैसे करेगा, क्या बनेगा। मुझे विश्वास है आप सभी को नौकरी मिलेगी। आपको नौकरी करनी चाहिए पर इसके साथ ही आपका सपना होना चाहिए की आप नौकरी लेने वाले नहीं देने वाले बने। दूसरों के भरोसे पर नहीं चलना चाहिए। अपने बारे में बताते हुए महामहिम ने कहा कि मैं एक गरीब परिवार से हूं आज मैं आपके सामने राज्यपाल के रूप में खड़ा हूं। मैं जब पढ़ता था तब पढ़ाई के साथ मां के काम में हाथ बंटाता था। मेरी माता मुझे प्रेरित करती थी। वह कहती थी तुम्हें जीवन में अच्छा करना है। मेरे एक शिक्षक ने मुझे रास्ता दिखाया उन्होंने मुझे नेपोलियन के उदाहरण से समझाया और उसके बाद मैंने और अच्छे से पढ़ना शुरू किया और बैंक की परीक्षा पास की पर मैंने वह नौकरी छोड़ दी और घर छोड़ कर समाज सेवा में लग गया। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं मंत्री बनूंगा या राज्यपाल बनूंगा।

दैनिक सवेरा टाइम्स

Date: 28.05.2024

छात्रा को डिग्री भेंट करते राज्यपाल व अन्य गणमान्य लोग तथा (दाएं) दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्यातिथि।

सभ्य समाज के निर्माण के लिए महिलाओं का आदर करना बहुत जरूरी है : बंडारू दत्तात्रेय

राज्यपाल बोले, युवाओं में नवाचार के साथ-साथ हर पल कुछ नया सीखने की भावना का होना जरूरी

- गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी होती है : न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत
- दीक्षांत समारोह में 744 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान, 21 विद्यार्थियों को प्रदान किए स्वर्ण पदक

मुख्यतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते करते कुलपति व अन्य गणमान्य लोग।

आज का युग इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी का, नवीनतम टेक्नोलोजी से जुड़कर क्रिएटिव इन्नोवेशन तथा स्टार्टअप्स सृजित करें

सवेरा न्यूज/नरेंद्र

जींद, 27 मई : हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा है कि भारत का युवा बहुत ही ऊर्जावान है। पूरे विश्व की निगाहें भारत की युवा पीढ़ी पर लगी हैं। यहां का युवा दुनिया के अन्य देशों की जरूरत बन रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं में नवाचार के साथ-साथ हर पल कुछ नया सीखने की भावना का होना जरूरी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे केवल महज अपने तक रोजगार पाने की न सोचकर अन्य को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करें। इसके साथ ही अपने अंदर समाज और राष्ट्र सेवा की भावना रखकर देश को दुनिया का सुपरपावर देश बनाएं। उन्होंने समाज से महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने व पूरा सम्मान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ अत्याचार करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। सभ्य समाज के निर्माण के लिए महिलाओं का आदर करना बहुत जरूरी है।

राज्यपाल दत्तात्रेय सोमवार को स्थानीय चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित चतुर्थ दीक्षांत समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। राज्यपाल दत्तात्रेय और न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राज्यपाल दत्तात्रेय ने दीक्षांत समारोह में 2021 से 2023 तक के 744 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की, जिनमें 509 छात्राएं शामिल थी। विभिन्न विषयों के 21 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए, जिनमें 18 छात्राएं शामिल रही। उन्होंने समारोह में शिक्षा के क्षेत्र के उल्लेखनीय योगदान देने वाले डीएवी शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष पूनम सूरी को पीएचडी की मानद उपाधि से नवाजा। राज्यपाल ने डिग्री लेने व स्वर्ण पदक हासिल करने वालों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

राज्यपाल ने कहा कि आज का युग इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी का युग है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग जैसी नूतन टेक्नोलॉजी ने विश्व का परिदृश्य बदल दिया है। अपने-अपने विषय में नवीनतम टेक्नोलोजी से जुड़ कर क्रिएटिव इन्नोवेशन तथा स्टार्टअप्स सृजित करने के लिए आपको कमर कसनी होगी। यदि आप चूक गए तो पीछे रह जाएंगे। मंथन करें कि कैसे विषय के ज्ञान से आधुनिक तकनीक को आप कल्याणकारी रूप में परिवर्तित कर सकते हैं।

अपने संबोधन में राज्यपाल दत्तात्रेय ने विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे जहां भी जाएं, अपने अभिभावकों, समाज व राष्ट्र के साथ-साथ अपने विश्वविद्यालय को कभी न भूलें, जहां से उन्होंने शिक्षा-दीक्षा ली है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में हमेशा नई तकनीक सीखकर आगे बढ़ने, नवाचार और नया शोध करने की भावना का होना जरूरी है। निपुणता जितनी बढ़ेगी, उतने ही रोजगार के अवसर अधिक मिलेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं में समाज के प्रति समर्पण की भावना होनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि जीवन में पैसा सर्वोपरि नहीं मानना चाहिए, बल्कि जीवन में मूल्यों को होना जरूरी है। जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी इंसान ने धन को खो दिया समझो कुछ नहीं खोया, यदि स्वास्थ्य खोया है तो समझो कुछ नुक्सान हुआ है और यदि चरित्र को खोया है तो समझो सब कुछ खो दिया है। उन्होंने युवाओं से स्वामी विवेकानंद द्वारा बताए गए इस मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय ने बहुत ही कम समय में शिक्षा व खेलों के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं। विश्वविद्यालय युवाओं को शिक्षित करने के साथ-साथ उनमें चरित्र निर्माण का भी कार्य कर रहा है, जो सबसे जरूरी है। यह विश्वविद्यालय हरियाणा को शिक्षित, साक्षर, समर्थ व संपन्न बनाने में सहभागी बनेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने वाला यह प्रदेश का दूसरा विश्वविद्यालय है। आज हम विकसित भारत, विकसित हरियाणा बनाने की जो कल्पना कर रहे है, उसे बनाने में इस विश्वविद्यालय से निकले विद्यार्थियों का बड़ा योगदान होगा। उन्होंने कहा कि स्वर्ण पदक हासिल करने वालों में 18 लड़कियों का होना अपने-आप में गर्व की बात है। लड़कियों ने हर उच्च मुकाम को हासिल कर लिया है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए नए कोर्सों पर विश्वविद्यालय प्रशासन को प्रशंसा की।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत ने सबसे पहले विश्वविद्यालय प्रशासन और डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों व शोधार्थियों को शुभकामनाएं दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी होती है। शिक्षा नैतिक मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। इसी से ही आने वाली पीढ़ी सभ्य और समाज के प्रति समर्पित बनेगी। उन्होंने कहा कि देश की उन्नति के लिए पूर्ण संसाधनों का होना जरूरी है, जिनमें इंसान के अंदर दक्षता, निपुणता और कुशलता मुख्य रूप से शामिल है। न्यायधीश ने कहा कि देश को समृद्धशाली बनाने के लिए निरंतर प्रगति जरूरी है।

न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत ने संबोधन के माध्यम से अपने विद्यार्थी जीवन की यादें ताजा कर सांझा की। भले ही उस समय संसाधनों का अभाव था, लेकिन उनमें सीखने की प्रबल भावना थी। ग्रामीण परिवेश से शिक्षा लेकर वे जिस मुकाम तक पहुंचे हैं, उसमें उनके शिक्षकों का अहम योगदान है, जिनकी दुआएं अब भी उनके साथ रहती हैं। शिक्षकों ने हमेशा उनको नई दिशा दी और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने दीक्षांत समारोह में मौजूद विद्यार्थियों से भी आह्वान किया कि वे नए आइडिया के साथ आगे बढ़ें। मेहनत करने वाले सभी बाधाओं को पार कर जाते हैं। उन्होंने दो पंक्तियों के साथ विद्यार्थियों से कड़ी मेहनत करने का आह्वान करते हुए कहा कि कौन बताता है समंदर का रास्ता नदी को- जिसे मंजिल का जूनून है वे कभी भटकर नहीं लेते। कार्यक्रम के दौरान विश्विविद्यालय के वीसी कर्नल डॉ. रणपाल सिंह ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. लवलीन सिंह ने सभी का आभार प्रकट किया।

दीक्षांत समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। दीक्षांत समारोह में एडीसी डॉ. हरीश वशिष्ठ, डीन प्रो. एसके सिन्हा, प्रो. संजय सिन्हा, एसोसिएट प्रो. सुनील फौगाट, परीक्षा नियंत्रक डॉ. निहाल सिंह चाहर, डीन डॉ. विशाल वर्मा, डॉ. जसबीर सिंह सूरा और एसोसिएट प्रो. कुलदीप नारा आदि मौजूद रहे।

गांव हबो की बेटी अंजली शर्मा को सम्मानित करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय।

एमए अंग्रेजी में प्रथम अंजली शर्मा को राज्यपाल ने किया सम्मानित

सवेरा न्यूज/मनदीप

नरवाना, 27 मई : चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में चतुर्थ दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया था, जिसमें मुख्यातिथि के तौर पर विश्वविद्यालय के कुलपति एवं हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शिरकत की। समारोह में प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। वहीं गांव हथो की बेटी एवं एसडी महिला कालेज, नरवाना की छात्रा अंजली शर्मा द्वारा एमए अंग्रेजी में 76.35 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया था। अंजली शर्मा को इस उपलब्धि पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने डिग्री व स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया। अंजली शर्मा ने अपने इस मुकाम का श्रेय अपने माता-पिता व कालेज स्टाफ को दिया।

अंजली के पिता ओमदत्त शर्मा ने कहा कि अंजली ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने परिवार, गांव व क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

दैनिक ट्रिब्यून

Date: 28.05.2024

जींद सीआरएसयू में दीक्षांत समारोह में बोले राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

महिलाओं से अत्याचार के दोषियों को मिले कड़ी सजा

दलेर सिंह/हप

जींद (जुलाना), 27 मई

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि महिलाओं के साथ अत्याचार करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। सभ्य समाज के निर्माण के लिए महिलाओं का आदर करना बहुत जरूरी है। समाज को चाहिए कि महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ पूरा सम्मान भी करें। राज्यपाल दत्तात्रेय सोमवार को चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू) जींद में चतुर्थ दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत भी विशेष रूप से मौजूद रहे। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत का युवा बहुत ही ऊर्जावान है। पूरे विश्व की निगाहें भारत की युवा पीढ़ी पर लगी हैं। भारत का युवा दुनिया के अन्य देशों की जरूरत बन रहा है। युवाओं में नवाचार के साथ-साथ हर पल कुछ नया सीखने की भावना का होना जरूरी है। युवा केवल महज अपने तक रोजगार पाने की न सोचकर अन्य को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करें।

जींद के सीआरएसयू में सोमवार को दीक्षांत समारोह में एक छात्रा को डिग्री प्रदान करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, उनके साथ हैं, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. सूर्यकांत व अन्य। हप

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे जहां भी जाएं, अपने अभिभावकों, समाज व राष्ट्र के साथ-साथ अपने विश्वविद्यालय को कभी न भूलें, जहां से उन्होंने शिक्षा-दीक्षा ली है। यदि किसी इंसान ने धन को खो दिया समझो कुछ नहीं खोया, यदि स्वास्थ्य खोया है तो समझो कुछ नुकसान हुआ है और यदि चरित्र को खोया है तो समझो सब कुछ खो दिया है। राज्यपाल ने कहा कि आज का युग इन्फार्मेशन एंड टेक्नोलॉजी का युग है। एआई, मशीन लर्निंग जैसी नूतन टेक्नोलॉजी ने विश्व का परिदृश्य बदल दिया है। अपने-अपने विषय में नवीनतम टेक्नोलोजी से जुड़ कर क्रिएटिव इनोवेशन तथा स्टार्टअप्स सृजित करने के लिए आपको कमर कसनी होगी। यदि आप चूक गए तो पीछे रह जाएंगे। राज्यपाल दत्तात्रेय ने दीक्षांत समारोह में 2021 से 2023 तक के 744 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की, इनमें 509 छात्राएं शामिल थीं। विभिन्न विषयों के 21 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए, जिनमें 18 छात्राएं शामिल रहीं।

उन्होंने समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए पूनम सूरी को पीएचडी की मानद उपाधि से नवाजा। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वीसी व कुलसचिव समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिसे मंजिल का जुनून है, वे कभी मशविरा नहीं लेते : न्यायाधीश डॉ. सूर्यकांत

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश डॉ. सूर्यकांत ने कहा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी होती है। शिक्षा नैतिक मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। इसी से ही आने वाली पीढ़ी सभ्य और समाज के प्रति समर्पित बनेगी। उन्होंने कहा कि देश की उन्नति के लिए पूर्ण संसाधनों का होना जरूरी है, जिनमें इंसान के अंदर दक्षता, निपुणता और कुशलता मुख्य रूप से शामिल है। न्यायाधीश ने कहा कि देश को समृद्धशाली बनाने के लिए निरंतर प्रगति जरूरी है। न्यायाधीश डॉ. सूर्यकांत ने संबोधन के माध्यम से अपने विद्यार्थी जीवन की यादें साझा की। भले ही उस समय संसाधनों का अभाव था, लेकिन उनमें सीखने की प्रबल भावना थी। ग्रामीण परिवेश से शिक्षा लेकर वे जिस मुकाम तक पहुंचे हैं, उसमें उनके शिक्षकों का अहम योगदान है, जिनकी दुआएं अब भी उनके साथ रहती हैं। उन्होंने दो पंक्तियों के साथ विद्यार्थियों से कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया - कौन बताता है समंदर का रास्ता नदियों को, जिसे मंजिल का जुनून है, वे कभी मशविरा नहीं लेते।

सभ्य समाज के निर्माण के लिए महिलाओं का आदर करना बहुत जरूरी : राज्यपाल

राज्यपाल ने चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

दीक्षांत समारोह में 744 विद्यार्थियों को दी गई डिग्री प्रदान, 21 विद्यार्थियों को प्रदान किए स्वर्ण पदक

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 27 मई। हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि भारत का युवा बहुत ही ऊर्जावान है। पूरे विश्व की निगाहें भारत की युवा पीढ़ी पर लगी हैं। यहां का युवा दुनिया के अन्य देशों की जरूरत बन रहा है। युवाओं में नवाचार के साथ-साथ हर पल कुछ नया सीखने की भावना का होना जरूरी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे केवल महज अपने तक रोजगार पाने की न सोचकर अन्य को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करें। इसके साथ ही अपने अंदर समाज और राष्ट्र सेवा की भावना रखकर देश को दुनिया का सुपरपावर देश बनाएं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ अत्याचार करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। सभ्य समाज के निर्माण के लिए महिलाओं का आदर करना बहुत जरूरी है।

राज्यपाल जिला जींद में चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित चतुर्थ दीक्षांत समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत भी मौजूद रहे। राज्यपाल श्री दत्तात्रेय और न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में 2021 से 2023 तक के 744 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान, जिनमें 509 छात्राएं शामिल थी। विभिन्न विषयों के 21 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए, जिनमें 18 छात्राएं शामिल रहीं।

उन्होंने समारोह में शिक्षा के क्षेत्र के उल्लेखनीय योगदान देने वाले डीएवी शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष पूनम सूरी को पीएचडी की मानद उपाधि से नवाजा। राज्यपाल ने डिग्री लेने व स्वर्ण पदक हासिल करने वालों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अपने संबोधन में श्री दत्तात्रेय ने विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे जहां भी जाएं, अपने अभिभावकों, समाज व राष्ट्र के साथ-साथ अपने विश्वविद्यालय को कभी न भूलें, जहां से उन्होंने शिक्षा-दीक्षा ली है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में हमेशा नई तकनीक सीखकर आगे बढ़ने, नवाचार और नया शोध करने की भावना का होना जरूरी है। निपुणता जितनी बढ़ेगी, उतने ही रोजगार के अवसर अधिक मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि स्वर्ण पदक हासिल करने वालों में 18 लड़कियों का होना अपने-आप में गर्व की बात है। लड़कियों ने हर उच्च मुकाम को हासिल कर लिया है।

न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत ने सबसे पहले विश्वविद्यालय प्रशासन और डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों व शोधार्थियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी होती है। शिक्षा नैतिक मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। इसी से ही अपने वाले पीढ़ी सभ्य और समाज के प्रति समर्पित बनेगी। उन्होंने कहा कि देश की उन्नति के लिए पूर्ण संसाधनों का होना जरूरी है, जिनमें इंसान के अंदर दक्षता, निपुणता और कुशलता मुख्य रूप से शामिल है। न्यायधीश ने कहा कि देश को समृद्धशाली बनाने के लिए निरंतर प्रगति जरूरी है।

सटीक नजर-सबकी खबर

INDIA TIMER

इंडिया टाइमर

इंडिया टाइमर में विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
मोबाइल : 9050007221 9467504707

www.indiatimer.com | indiatimer1@gmail.com | indiatimer1 | वर्ष : 10 || अंक : 11 || जीन्द, 28 मई 2024 || पृष्ठ : 8 || मूल्य : 3 रुपए | INDIATIMER | @indiatimer1

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बोले

महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए : बंडारू दत्तात्रेय

गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी होती है : डॉ. सूर्यकांत

संजय शर्मा

जींद,(इंडिया टाइमर): हरियाणा के महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा है कि भारत का युवा बहुत ही ऊर्जावान है। पूरे विश्व की निगाहें भारत की युवा पीढ़ी पर लगी हैं। यहां का युवा दुनिया के अन्य देशों की जरूरत बन रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं में नवाचार के साथ-साथ हर पल कुछ नया सीखने की भावना का होना जरूरी है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे केवल महज अपने तक रोजगार पाने की न सोचकर अन्य को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करें। इसके साथ ही अपने अंदर समाज और राष्ट्र सेवा की भावना रखकर देश को दुनिया का सुपर पावर देश बनाएं। समाज के लिए कुछ खास करने की कसक के कारण ही मैं खास मुकाम पर पहुंचा हूं। राज्यपाल ने कहा कि मेरी मां फड़ पर सब्जियां बेचती थी। घर में गरीब हालात होने के बावजूद भी समाज के लिए खास करने के जूनून के कारण ही मैं पहले मंत्री और अब हरियाणा के राज्यपाल के तौर पर जन सेवा कर रहा हूं। उन्होंने समाज से महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने व पूरा सम्मान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ अत्याचार करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। सभ्य समाज के निर्माण के लिए महिलाओं का आदर करना बहुत जरूरी है। महामहिम राज्यपाल दत्तात्रेय सोमवार को जींद के चौधरी रणबीर सिंह विश्वविधालय में आयोजित चतुर्थ दीक्षांत समारोह को बतौर अध्यक्षीय भाषण सम्बोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। महामहिम राज्यपाल दत्तात्रेय और न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राज्यपाल श्री दत्तात्रेय ने दीक्षांत समारोह में 2021 से 2023 तक के 744 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान, जिनमें 509 छात्राएं शामिल थी। विभिन्न विषयों के 21 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए, जिनमें 18 छात्राएं शामिल रहीं। उन्होंने समारोह में शिक्षा के क्षेत्र के उल्लेखनीय योगदान देने वाले डीएवी शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष पूनम सूरी को पीएचडी की मानद उपाधि से नवाजा। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर डॉ. रणपाल सिंह, रजिस्ट्रार प्रो. लवलीन मोहन और प्रो. एस के सिन्हा ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये। राज्यपाल ने डिग्री लेने व स्वर्ण पदक हासिल करने वालों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। अपने संबोधन में महामहिम राज्यपाल दत्तात्रेय ने विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे जहां भी जाएं, अपने अभिभावकों, समाज व राष्ट्र के साथ-साथ अपने विश्वविद्यालय को कभी न भूलें, जहां से उन्होंने शिक्षा-दीक्षा ली है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में हमेशा नई तकनीक सीखकर आगे बढ़ने, नवाचार और नया शोध करने की भावना का होना जरूरी है। निपुणता जितनी बढ़ेगी, उतने ही रोजगार के अवसर अधिक मिलेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं में समाज के प्रति समपर्ण की भावना होनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि जीवन में पैसा सर्वोपरि नही मानना चाहिए, बल्कि जीवन में मूल्यों को होना जरूरी है। जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी इंसान ने धन को खो दिया समझो कुछ नहीं खोया, यदि स्वास्थ्य खोया है तो समझो कुछ नुकसान हुआ है और यदि चरित्र को खोया है तो समझो सब कुछ खो दिया है। कार्यक्रम के दौरान विश्विविद्यालय के वीसी कर्नल डॉ. रणपाल सिंह ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. लवलीन सिंह ने सभी का आभार प्रकट किया। दीक्षांत समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। दीक्षांत समारोह में एडीसी डॉ. हरीश वशिष्ठ, एसोसिएट प्रो. सुनील फौगाट, परीक्षा नियंत्रक डॉ. निहाल सिंह चाहर, डीन डॉ. विशाल वर्मा, डॉ. जसबीर सिंह सूरा और एसोसिएट प्रो. कुलदीप नारा, डॉ. मंजू रेढू सहित विश्वविद्यालय प्रशासन के सभी प्रोफेसर व एसोसिएट प्रो. मौजूद रहे।

समारोह में 744 विद्यार्थियों को डिग्री, 21 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए

जिसे मंजिल का जूनून है वे कभी मशविरा नहीं लेते : न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत ने कहा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी होती है। शिक्षा नैतिक मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। इसी से ही आने वाली पीढ़ी सभ्य और समाज के प्रति समर्पित बनेगी। उन्होंने कहा कि देश की उन्नति के लिए पूर्ण संसाधनों का होना जरूरी है, जिनमें इंसान के अंदर दक्षता, निपुणता और कुशलता मुख्य रूप से शामिल है। न्यायधीश ने कहा कि देश को समृद्धशाली बनाने के लिए निरंतर प्रगति जरूरी है। न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत ने संबोधन के माध्यम से अपने विद्यार्थी जीवन की यादें ताजा कर सांझा की। भले ही उस समय संसाधानों का अभाव था, लेकिन उनमें सीखने की प्रबल भावना थी। इसलिए स्कूल में सहपाठियों के साथ रात को रहते और वहीं पढ़ते थे। ग्रामीण परिवेश से शिक्षा लेकर वे जिस मुकाम तक पहुंचे हैं, उसमें उनके शिक्षकों का अहम योगदान है, जिनकी दुआएं अब भी उनके साथ रहती हैं। शिक्षकों ने हमेशा उनको नई दिशा दी और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने दीक्षांत समारोह में मौजूद विद्यार्थियों से भी आह्वान किया कि वे नए आइडिया के साथ आगे बढ़ें। मेहनत करने वाले सभी बाधाओं को पार कर जाते हैं। उन्होंने दो पंक्तियों के साथ विद्यार्थियों से कड़ी मेहनत करने का आह्वान करते हुए कहा कि कौन बताता है समंदर का रास्ता नदी को जिसे मंजिल का जूनून है वे कभी मशविरा नहीं लेते।

जगत क्रांति

Date: 28.05.2024

सभ्य समाज के निर्माण में महिलाओं का आदर जरूरी : राज्यपाल

- गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी होती : डॉ. सूर्यकांत
- राज्यपाल ने सीआरएसयू के दीक्षांत समारोह को किया संबोधित
- दीक्षांत समारोह में 744 विद्यार्थियों को प्रदान की गई डिग्री
- 21 विद्यार्थियों को प्रदान किए स्वर्ण पदक

जगत क्रान्ति ▶▶ जींद

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि भारत का युवा बहुत ही ऊर्जावान है। पूरे विश्व की निगाहें भारत की युवा पीढ़ी पर लगी हैं। यहां का युवा दुनिया के अन्य देशों की जरूरत बन रहा है। युवाओं में नवाचार के साथ-साथ हर पल कुछ नया सीखने की भावना का होना जरूरी है।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे केवल महज अपने तक रोजगार पाने की न सोचकर अन्य को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करें। इसके साथ ही अपने अंदर समाज और राष्ट्र सेवा की भावना रखकर देश को दुनिया का सुपरपावर देश बनाएं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ अत्याचार करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। सभ्य समाज के निर्माण के लिए महिलाओं का आदर करना बहुत जरूरी है।

राज्यपाल जिला जींद में चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित चतुर्थ दीक्षांत समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत भी मौजूद रहे। राज्यपाल श्री दत्तात्रेय और न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में 2021 से 2023 तक के 744 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की, जिनमें 509 छात्राएं शामिल थी। विभिन्न विषयों के 21 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए, जिनमें 18 छात्राएं शामिल रहीं।

उन्होंने समारोह में शिक्षा के क्षेत्र के उल्लेखनीय योगदान देने वाले डीएवी शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष पूनम सूरी को पीएचडी की मानद उपाधि से नवाजा। राज्यपाल ने डिग्री लेने व स्वर्ण पदक हासिल करने वालों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। अपने संबोधन में श्री दत्तात्रेय ने विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए कहा कि वे जहां भी जाएं, अपने अभिभावकों, समाज व राष्ट्र के साथ-साथ अपने विश्वविद्यालय को कभी न भूलें, जहां से उन्होंने शिक्षा-दीक्षा ली है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में हमेशा नई तकनीक सीखकर आगे बढ़ने, नवाचार और नया शोध करने की भावना का होना जरूरी है। निपुणता जितनी बढ़ेगी, उतने ही रोजगार के अवसर अधिक मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि स्वर्ण पदक हासिल करने वालों में 18 लड़कियों का होना अपने-आप में गर्व की बात है। लड़कियों ने हर उच्च मुकाम को हासिल कर लिया है। न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश डॉ. सूर्यकांत ने सबसे पहले विश्वविद्यालय प्रशासन और डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों व शोधार्थियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की कुंजी होती है। शिक्षा नैतिक मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। इसी से ही आने वाली पीढ़ी सभ्य और समाज के प्रति समर्पित बनेगी।

उन्होंने कहा कि देश की उन्नति के लिए पूर्ण संसाधनों का होना जरूरी है, जिनमें इंसान के अंदर दक्षता, निपुणता और कुशलता मुख्य रूप से शामिल है। न्यायधीश ने कहा कि देश को समृद्धशाली बनाने के लिए निरंतर प्रगति जरूरी है।

अश्वनी टाइम्स

Date: 28.05.2024

राज्यपाल बण्डारू दत्तात्रेय एवं सुप्रीम कोर्ट न्यायमूर्ति डा. सूर्यकांत ने 744 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की

कैमेस्ट्री की होनहार छात्रा शिक्षा जांगड़ा द्वारा स्वयं निर्मित महामहिम राज्यपाल हरियाणा को सम्मान स्वरूप पेंटिंग भेंट करने पर बण्डारू दत्तात्रेय ने की सराहना

जींद-अश्वनी टाईम्स

सीआरएसयू जींद के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में महामहिम राज्यपाल हरियाणा एवं कुलाधिपति बण्डारू दत्तात्रेय व सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीश (न्यायमूर्ति) डा सूर्यकांत ने ७४४ विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की।इसके अलावा २१ विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल एवं ७ शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि से नवाजा गया। विश्वविद्यालय के महर्षि पतंजलि योग भवन में आयोजित इस समारोह में सीआरएसयू के वीसी डा रणपाल सिंह ने विश्वविद्यालय के क्रियाकलापों एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी दी। समारोह में सीआरएसयू की एमएससी कैमेस्ट्री की फाईनल वर्ष की छात्रा शिक्षा जांगडा ने महामहिम राज्यपाल हरियाणा बण्डारू दत्तात्रेय को स्वयं निर्मित सम्मान स्वरूप पेंटिंग भेंट की। इस समारोह में सीआरएसयू की कुलसचिव प्रो लवलीन मोहन व अन्य स्टाफ, मानद उपाधि प्राप्त पूनम सूरी, मनीसूरी, सुनीता, रामफल, ईसी व कोर्ट मैम्बर,डा विशाल वर्मा, लोक सम्पर्क विभाग हरियाणा के रिटायर्ड डीआईपीआरओ सुरेन्द्र कुमार वर्मा,वर्तमान डीआईपीआरओ सुरेन्द्र सिंह, डा धर्मदेव विद्यार्थी,शिक्षा जांगडा ने विशेष रूप से भाग लिया। इस समारोह में पूनम सूरी को मानद फिलोस्पी उपाधि से नवाजा गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए महामहिम राज्यपाल हरियाणा बण्डारू दत्तात्रेय ने कहा कि दिल-मन से हंसते रहें और आगे बढ़ते रहे। उन्होंने डिग्री प्राप्त विद्यार्थियों से कहा कि मेहनत व लगन के बलबूते पर नौकरी देने वालों में आपका नाम सुमार होना चाहिए।

उन्होंने निपुणता,समाज सेवा के साथ-साथ खेल व शिक्षा के क्षेत्र में बेटियों की उपलब्धियों बारे विशेष तारीफ की। उन्होंने चरित्र निर्माण,आत्मविश्वास,नई तकनीक एवं ज्ञान सीखते रहने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति डा सूर्यकांत ने भी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और जीवन में आगे बढ़ने के टिप्पस दिये। इस मौके पर डा बालाराम, डा प्रवीण, डा बजरंग, डा एस मान, डा जोगेन्द्र ,डा सुनीता, डा नवीन, डा ज्योति, डा सुदेश, डा अतुल, डा सत्यदेव, डा संदीप,वंदना,एस सिन्हा, रामफल व अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

सत समाचार

Date: 28.05.2024

राज्यपाल बण्डारू दत्तात्रेय एवं सुप्रीम कोर्ट न्यायमूर्ति डा सूर्यकांत ने 744 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की

कैमेस्ट्री की होनहार छात्रा शिक्षा जांगड़ा द्वारा स्वयं निर्मित महामहिम राज्यपाल हरियाणा को सम्मानस्वरूप पेंटिंग भेंट करने पर बण्डारू दत्तात्रेय ने की सराहना

सत् समाचार, जींद (जगजीत पांचाल) : सीआरएसयू जींद के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में महामहिम राज्यपाल हरियाणा एवं कुलाधिपति बण्डारू दत्तात्रेय व सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीश (न्यायमूर्ति) डा सूर्यकांत ने 744 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की।इसके अलावा 21 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल एवं 7 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि से नवाजा गया। विश्वविद्यालय के महर्षि पतंजलि योग भवन में आयोजित इस समारोह में सीआरएसयू के वीसी डा रणपाल सिंह ने विश्वविद्यालय के क्रियाक्लापों एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी दी। समारोह में सीआरएसयू की एमएससी कैमेस्ट्री की फाईनल वर्ष की छात्रा शिक्षा जांगड़ा ने महामहिम राज्यपाल हरियाणा बण्डारू दत्तात्रेय को स्वयं निर्मित सम्मान स्वरूप पेंटिंग भेंट की। इस समारोह में सीआरएसयू की कुलसचिव प्रो लवलीन मोहन व अन्य स्टाफ, मानद उपाधि प्राप्त पूनम सूरी, मनीसूरी, सुनीता, रामफल, ईसी व कोर्ट मैम्बर,डा विशाल वर्मा, लोक सम्पर्क विभाग हरियाणा के रिटायर्ड डीआईपीआरओ सुरेन्द्र कुमार वर्मा,वर्तमान डीआईपीआरओ सुरेन्द्र सिंह, डा धर्मदेव विद्यार्थी,शिक्षा जांगड़ा ने विशेष रूप से भाग लिया। इस समारोह में पूनम सूरी को मानद फिलोस्पी उपाधि से नवाजा गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए महामहिम राज्यपाल हरियाणा बण्डारू दत्तात्रेय ने कहा कि दिल-मन से हंसते रहें और आगे बढ़ते रहे। उन्होंने डिग्री प्राप्त विद्यार्थियों से कहा कि मेहनत व लगन के बलबूते पर नौकरी देने वालों में आपका नाम सुमार होना चाहिए। उन्होंने निपुणता,समाज सेवा के साथ-साथ खेल व शिक्षा के क्षेत्र में बेटियों की उपलब्धियों बारे विशेष तारीफ की। उन्होंने चरित्र निर्माण,आत्मविश्वास,नई तकनीक एवं ज्ञान सीखते रहने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। समारोह के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति डा सूर्यकांत ने भी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और जीवन में आगे बढ़ने के टिप्पस दिये। इस मौके पर डा बालाराम, डा प्रवीण, डा बजरंग, डा एस मान, डा जोगेन्द्र ,डा सुनीता, डा नवीन, डा ज्योति, डा सुदेश, डा अतुल, डा सत्यदेव, डा संदीप,वंदना,एस सिन्हा, रामफल व अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।